9th January, 2018

Press Release

Break Down the Barriers and Celebrate the Ability

IIT Kanpur Celebrating the Challenges Overcome by People with Disabilities

Kanpur, UP:IIT Kanpur's Person with Disabilities (PwD) Cell organized a celebratory event on 9th January, for people with disabilities and the challenges they have overcome.

According to the 2011 Census Report, in India there are 268.10 lakh disabled people and 75 percent of them are unemployed. In the recent past, Government of India has launched several initiatives like the Sugamya Bharat Abhiyan, aimed specifically at people with disabilities. Aligning itself with this vision, IIT Kanpur's PwD Cell is taking small steps towards making the institute campus a friendlier place for people with disabilities.

Prof. KS Venkatesh, Convener of the PwD Cell, highlighted some of these initiatives in his address. "*The PwD Cell is developing several tools and services to help students on campus with disability. These include adapting courses to students' needs, developing gadgets specifically for the visually and aurally challenged and making all areas of the campus accessible to the physically disabled*," he said.

A special website dedicated to the PwD Cell at IIT Kanpur was also launched at this event. The website will act as an important resources for people with disabilities on campus.Visit www.iitk.ac.in/pwd for more information.

Artificial Limbs Manufacturing Corporation of India (ALIMCO), a Government of India Central Public Sector Enterprise developing rehabilitation aids for persons with disability, had also put up a small showcase of its products, which included a jpystick-operated wheelchair, motorised wheelchair, Braille Kit and MSIED Kits for children suffering from mental disabilities.

Several other organizations working with people with disabilities were also invited to deliver talks at the event. These included**SOCENTS, Lucknow** (a social welfare organization working on creating innovative solutions to society's problems);**Handicap Welfare Department of Uttar Pradesh**;**Deaf and Dumb College Bithoor**; **Dr.Ambedkar Institute of Technology for Handicapped, Kanpur**; **Sarthak Educational Trust** and **EnAble India**.

प्रेस रिलीज़

बाधाओं को दूर करो एवं अपनी योग्यता पर विश्वास करो

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में दिव्यांगजनों के लिए उत्सव का आयोजन

कानपुर, उ.प्र. : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 9 जनवरी, 2018 को दिव्यांगजनों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
2011 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 268.10 लाख विकलांग लोग हैं और उनमें से 75 प्रतिशत बेरोजगार हैं। हाल ही में, भारत सरकार ने सुगम भारत अभियान जैसे कई पहलों की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से विकलांग लोगों पर है। स्वयं को इस दृष्टि से संरेखित करना, आईआईटी कानपुर के पीडब्ल्यूडी सेल संस्थान के परिसर में विकलांग लोगों के लिए मित्रवत स्थान बनाने के लिए छोटे कदम उठा रहा है।

पीडब्ल्यूडी सेल के संयोजक प्रो.के. एस. वेंकटेश ने अपने संबोधन में इनमें से कुछ पहलों पर प्रकाश डाला। " पीडब्ल्यूडी सेल विकलांग छात्रों के परिसर में छात्रों की सहायता करने के लिए कई उपकरण और सेवाएं विकसित कर रहा है। इसमें छात्रों की जरूरतों के लिए पाठ्यक्रमों को आदतन करना, विशेष रूप से नेत्रहीन और साहसी चुनौतियों के लिए गैजेट विकसित करना और शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए परिसर के सभी क्षेत्रों को शामिल करना शामिल है "।

इस कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों के लिए एक वेबसाइट भी लांच की गई। वेबसाइट में संस्थान के दिव्यांगजनों से संबंधित उपयोगी सूचना एवं जानकारी रहेगी। वेबसाइट परिसर में विकलांग लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करेगी। अधिक जानकारी के लिए www.iitk.ac.in/pwd जाएँ।
कृत्रिम अंगों के विनिर्माण निगम (एलआईएमसीओ), भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, जो कि विकलांगता के लिए व्यक्तियों के लिए पुनर्वास सहायता का विकास कर रहा है, ने अपने उत्पादों का एक छोटा सा प्रदर्शन भी रखा था, जिसमें एक जेपीस्टिक संचालित व्हीलचेयर, मोटर चालित व्हीलचेयर, ब्रेल किट और मानसिक विकलांगता से पीड़ित बच्चों के लिए MSIED किट थी।

इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के लिए काम करने वाले संगठनों यथा - **सोशेन्टस, लखनऊ** (एक समाज कल्याण संगठन है जो सामाजित समस्याओं के निदान के लिए नवीन विचारों पर कार्य करता है), **दिव्यांगजन कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश, बधिर एवं मूक छात्र महाविद्यालय, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर, डॉ अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी फॉर हैन्डीकैप्ड, कानपुर, सार्थक इजुकेशनल ट्रस्ट एवं इनेबल इंडिया** के विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।